

प्रेषक,

शैलेश बगौली,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,  
पर्यटन निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 08 अगस्त, 2016

**विषय:-**जनपद पिथौरागढ़ में एस0सी0पी0 के अन्तर्गत थलकेदार से लटकेश्वर सिलिंगिया तक पर्यटक परिपथ के निर्माण हेतु अवशेष धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासन के पत्र संख्या-248/VI/2010-02(03)/2008, दिनांक 18 फरवरी, 2010 के क्रम में आपके पत्र संख्या-174/2-6-68(चालू योजना)/2015, दिनांक 28 जुलाई, 2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पिथौरागढ़ में एस0सी0पी0 के अन्तर्गत थलकेदार से लटकेश्वर सिलिंगिया तक पर्यटक परिपथ के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2009-10 में संस्तुत धनराशि ₹ 89.13 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति के सापेक्ष अवमुक्त धनराशि ₹ 45.00 लाख का उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने पर योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2016-17 में चालू निर्माण कार्य मद में प्रावधानित ₹ 400.00 लाख में से ₹ 44.13 लाख (रुपये चवालीस लाख तेरह हजार मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- धनराशि अवमुक्त से सम्बन्धित पूर्व शासनादेशों में उल्लिखित शर्तें यथावत रहेंगी।
- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री की प्रयोग में लायी जाये।
- विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने से पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगणन के अनुसार होने की पुष्टि पर ही भुगतान किया जायेगा। यह दायित्व निदेशक पर्यटन का होगा। अतः निदेशक पर्यटन Third party Monitoring की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।
- स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।